16.10.

Μνήμη τού Αγίου Μάρτυρος Λογγίνου τού Εκατοντάρχου,
τού επί τού Σταυρού.

Ст҃а́гѡ мч҃ника ло́ггїна со́тника, и҆́же при кр҃тѣ̀ гдⷭ҇ни.

6. hlas // 2nd plag. echos

Εν τώ πάθει σου, Χριστέ
Εν τώ Σταυρώ παρεστηκώς

Am 31v, Dk 30r (63), Ott 42r (87), Trin 40r,
G355 68v, G260 29r, G261 26r (28), G262 24r, G265 25v, G270 26r (28)

Vi 34

Pp 32v, S439 –, S440 22v
S411 30v, S414 366v, S442 78r

© 2015-18 irmologion.nfo.sk

Εις τό, Κύριε εκέκραξα, Δόξα... Ήχος πλ. β', Ιωάννου Μοναχού

Εν τώ πάθει σου Χριστέ
τόν ναόν θεωρήσας διαρραγέντα
Λογγίνος ο Εκατόνταρχος.

Υιόν Θεού σε είναι τοίς Ιουδαίοις εκήρυττεν,
Όθεν οι δεινοί, τήν θείαν κάραν αυτού,
τεμόντες τώ ξίφει εν κοπρία έρριψαν.

γυνή δέ ταύτην ευρούσα
τάς κεκλεισμένας κόρας αυτής τών ομμάτων ανέωξε,
μεθ' ής* καί ημείς βοώμέν σοι.

Ο τούτον στεφανώσας υπέρ σού αθλήσαντα
ταίς αυτού ικεσίαις καί ημών τά όμματα
τής καρδίας φώτισον,
τού δοξάζειν σε Θεόν*
τόν εν Σταυρώ προσηλωθέντα
εις τό σώσαι ημάς.

E3
Gh G3/U -a
E3

E2 Gc.a G3
G G3
G3/U -h **E3**

E2
Gh G3
a* **E3**

a D2
a D2
G3
G3/U -a*
D2
E3

Сла́ва, гла́съ ѕ҃. Ї҆ѡа́нна мона́ха:

Въ стр҃ти твое́й, хр҃тѐ, хра́мъ ᲂу҆зрѣ́въ
разсѣ́дшеѧ ло́ггїнъ стонача́льникъ.

сѝла бж҃їѧ тѧ̀ бы́ти ї҆ѹде́ѥмъ проповѣ́даше,
тѣ́мъ лю́тїи бж҃твенноу̀ю главѹ̀ є҆гѡ̀
ѿсѣ́кше мече́мъ, въ гноѝ поверго́ша.

жена́ же сїю̀ ѡ҆брѣ́тши затворе́нныѧ зѣ̑ницы
ѻ҆че́съ свои́хъ ѿве́рзе.
съ не́юже и҆ мы̀ вопїе́мъ тѝ:

и҆́же сего̀ вѣнча́вый за тѧ̀ пострада́вша,
тогѡ̀ моли́твами и҆ на̑ша ѻ҆чесѧ̀
серде́чнаѧ просвѣтѝ,
сла́вити тѧ̀ бг҃а,
на кр҃тѣ̀ пригвожде́ннаго пло́тїю, во є҆́же спастѝ на́съ.

Εν τώ πάθει σου Χριστέ τόν ναόν θεωρήσας

+++++ Εν τώ πάθει σου Χριστέ τόν ναόν θεωρήσας [D/E]

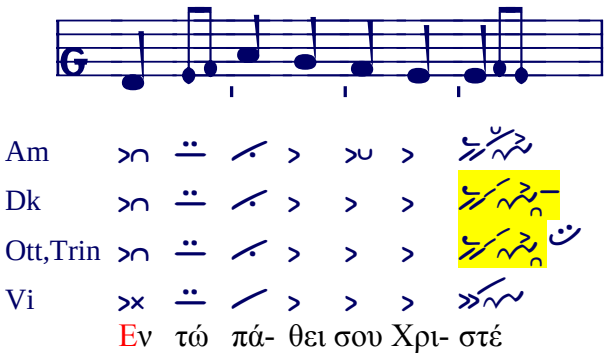

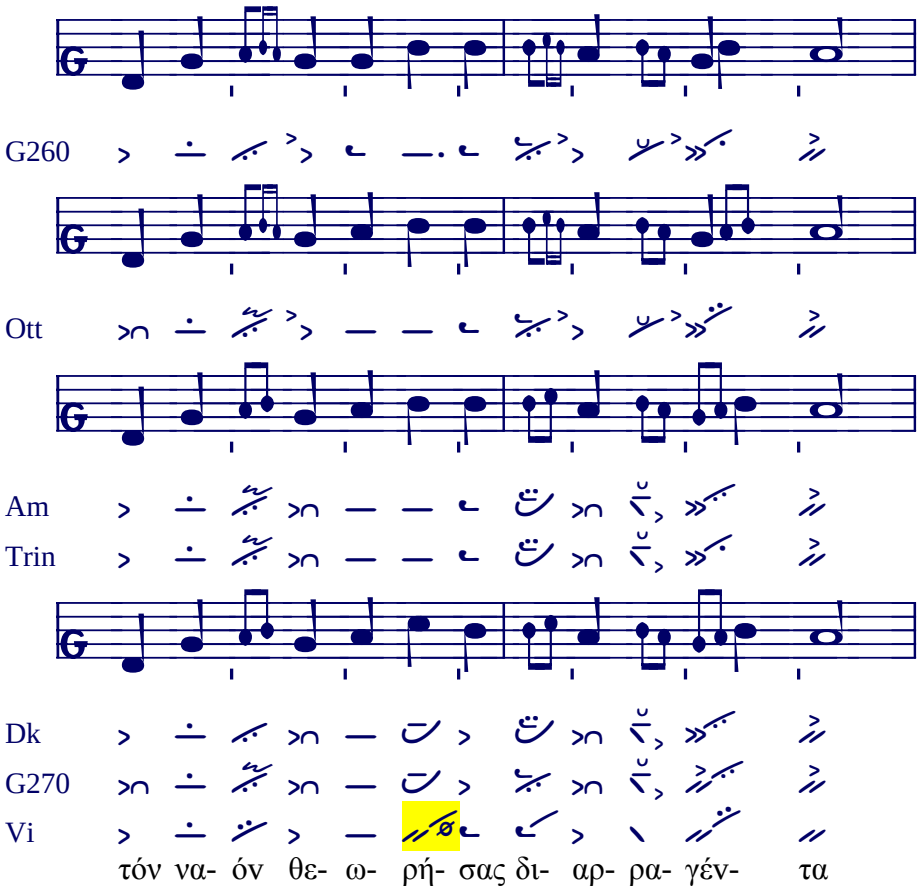

trisem Vi

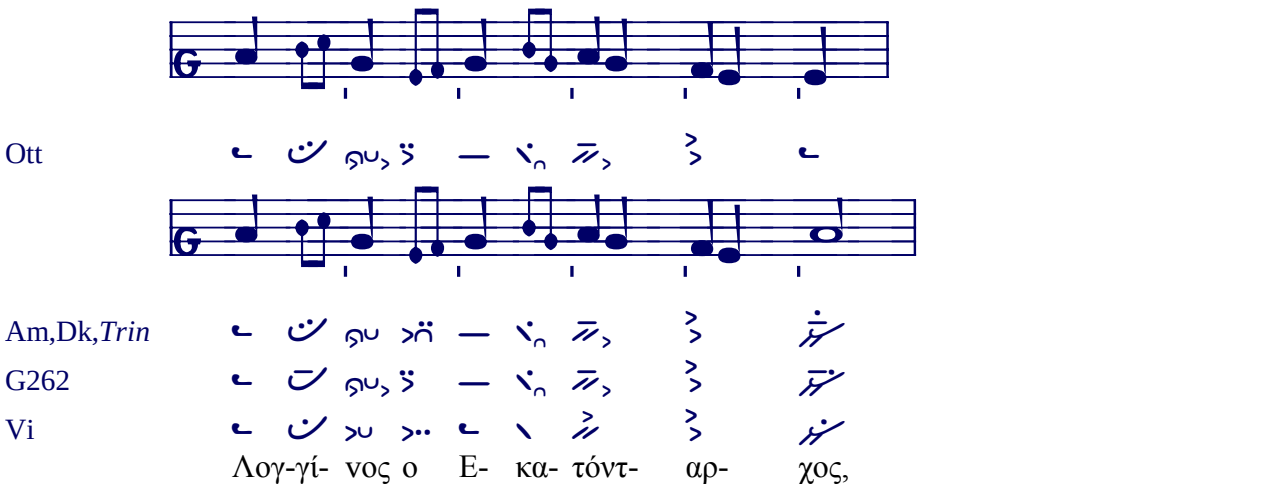
Ott
Am,Dk,*Trin*
G262
Vi
Λογ-γί- νος ο Ε- κα- τόντ- αρ- χος,

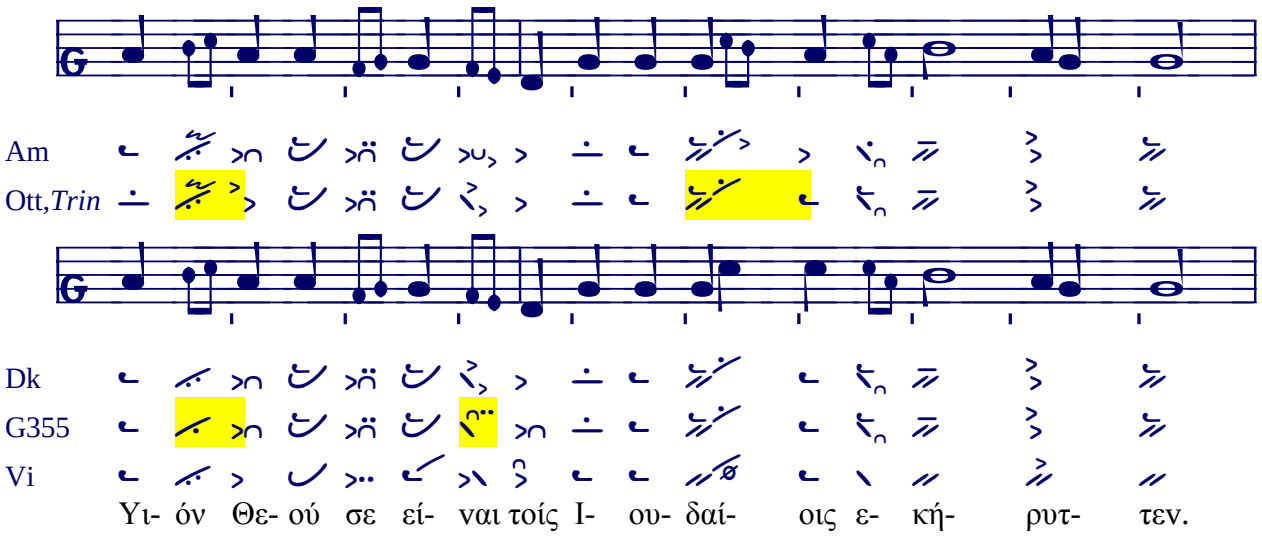
Am
Ott,*Trin*
Dk
G355
Vi
Υι- όν Θε- ού σε εί- ναι τοίς Ι- ου- δαί- οις ε- κή- ρυτ- τεν.

G260 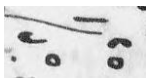

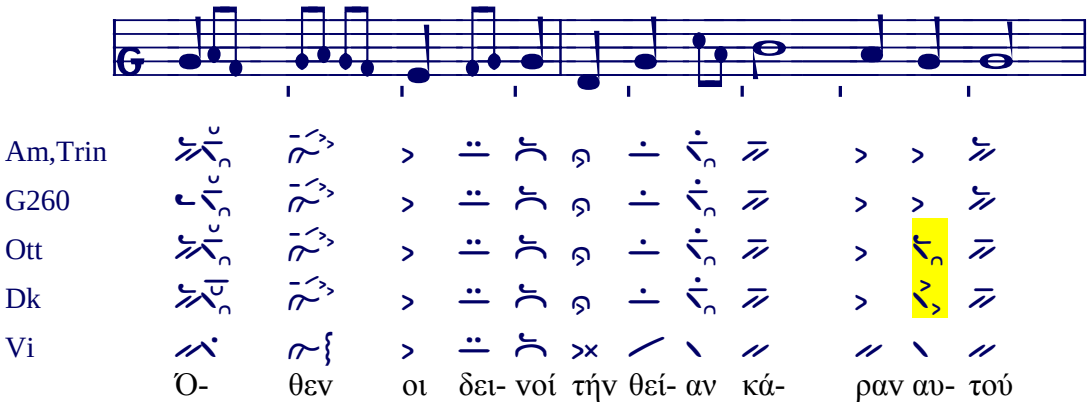
Am,Trin
G260
Ott
Dk
Vi
Ό- θεν οι δει- νοί τήν θεί- αν κά- ραν αυ- τού

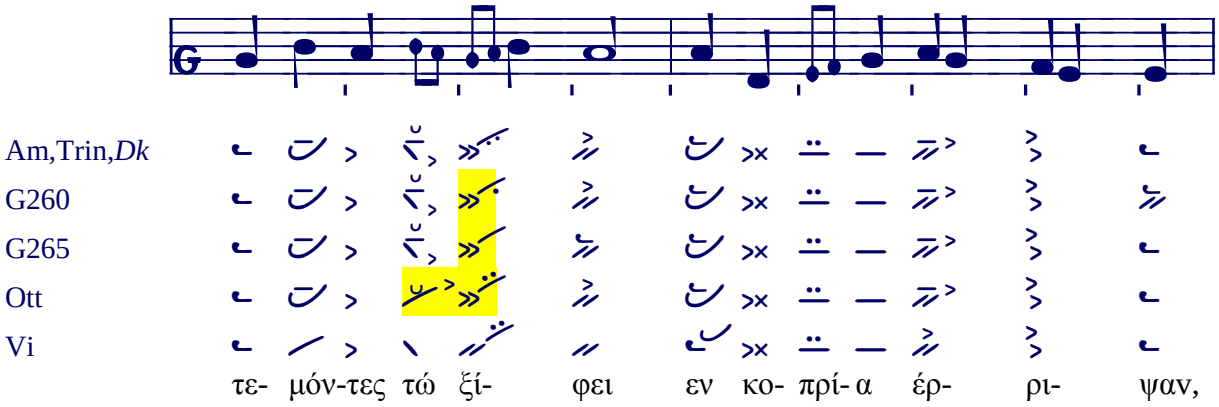
Am,Trin,*Dk*
G260
G265
Ott
Vi
τε- μόν-τες τώ ξί- φει εν κο- πρί- α έρ- ρι- ψαν,

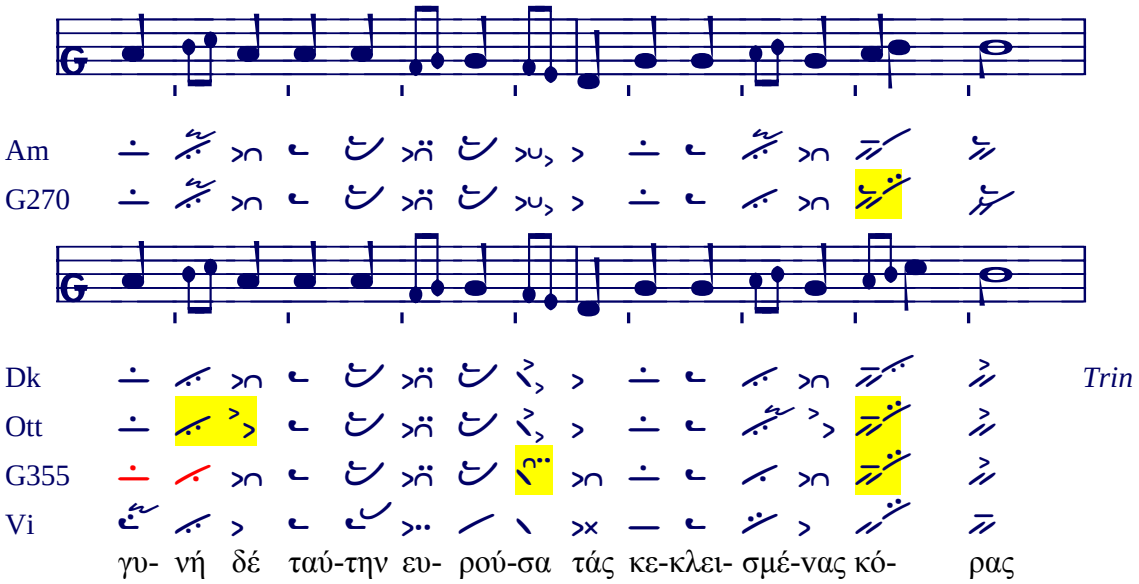
Am
G270
Dk
Ott
G355
Vi
γυ- νή δέ ταύ-την ευ- ρού-σα τάς κε-κλει- σμέ-νας κό- ρας
Trin

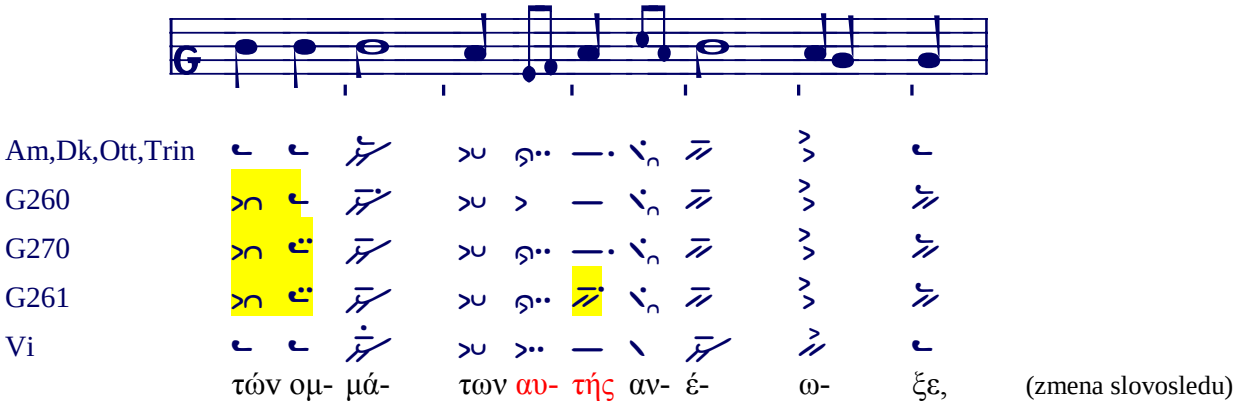
Am,Dk,Ott,Trin
G260
G270
G261
Vi
τών ομ- μά- των αυ- τής αν- έ- ω- ξε,
(zmena slovosledu)

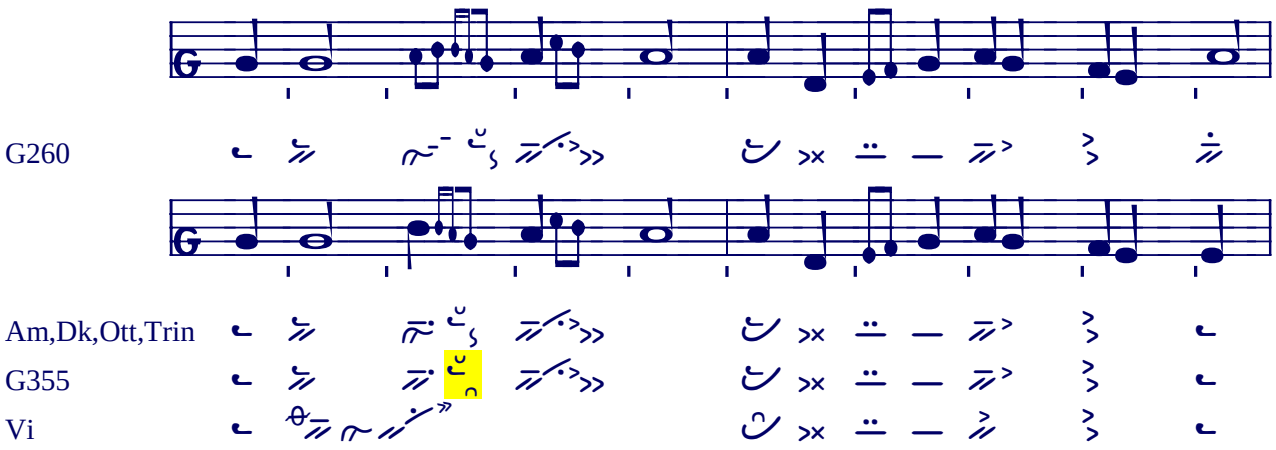
G260
Am,Dk,Ott,Trin
G355
Vi
μεθ' ής
καί η- μείς βο- ώ- μέν σοι.

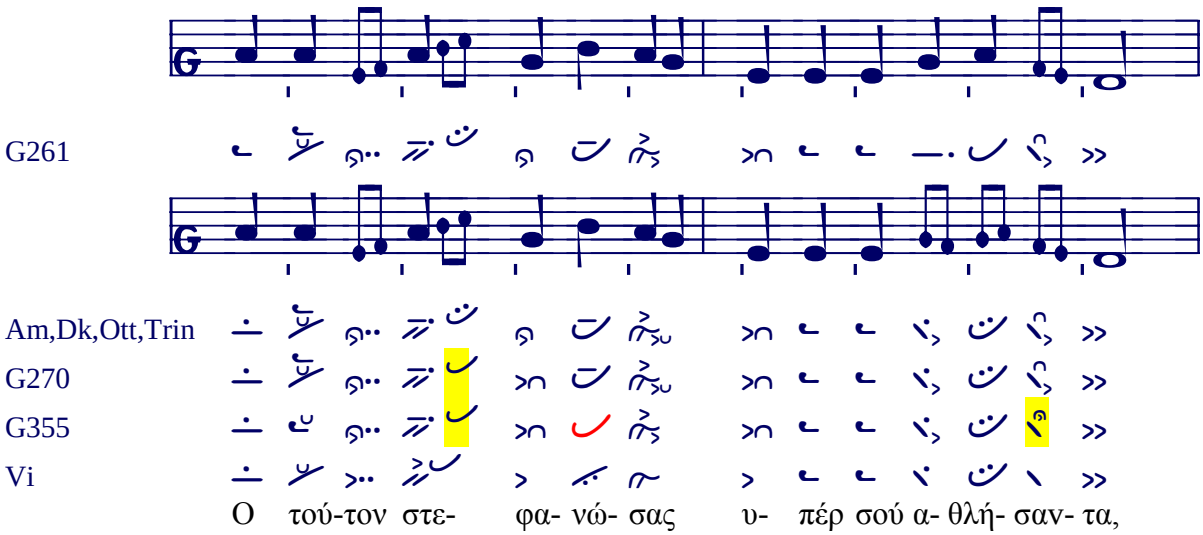
G261
Am,Dk,Ott,Trin
G270
G355
Vi
Ο τού-τον στε- φα- νώ- σας υ- πέρ σού α- θλή- σαν- τα,

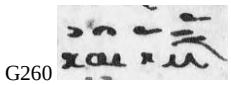
G260

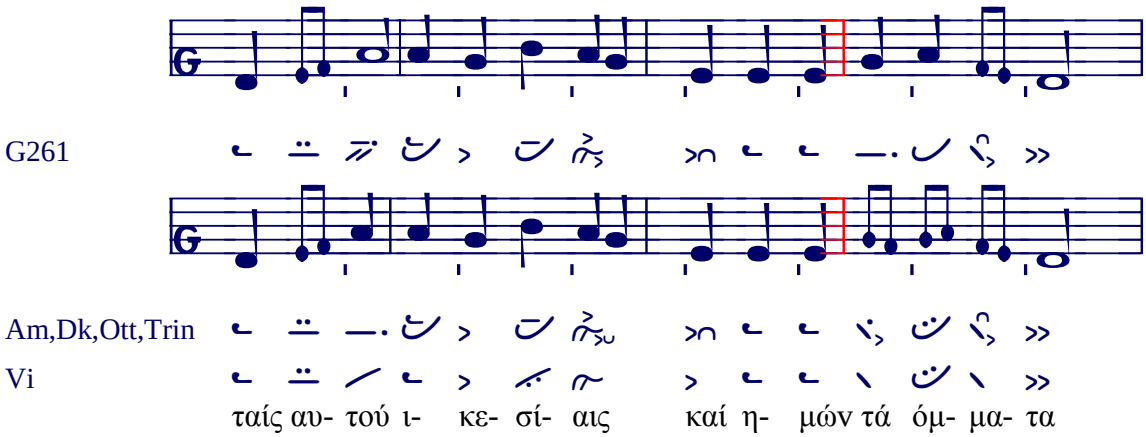
G261
Am,Dk,Ott,Trin
Vi
ταίς αυ- τού ι- κε- σί- αις καί η- μών τά όμ- μα- τα

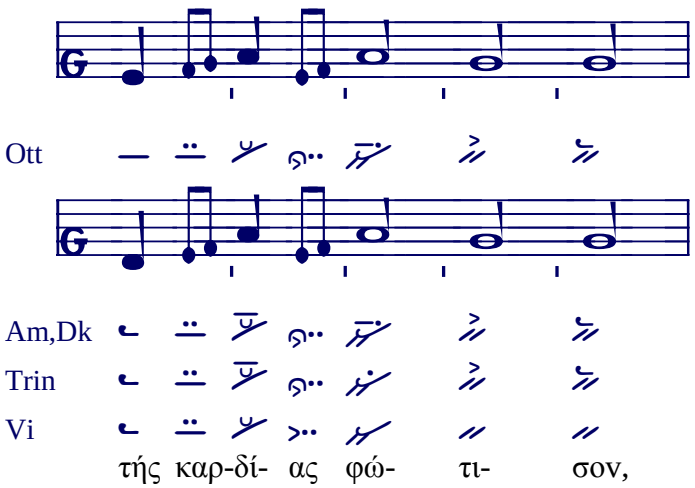
Ott
Am,Dk
Trin
Vi
τής καρ-δί- ας φώ- τι- σον,

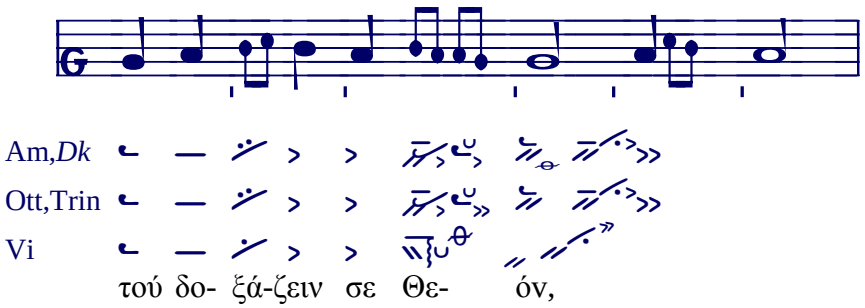
Am,*Dk*
Ott,Trin
Vi
τού δο- ξά-ζειν σε Θε- όν,

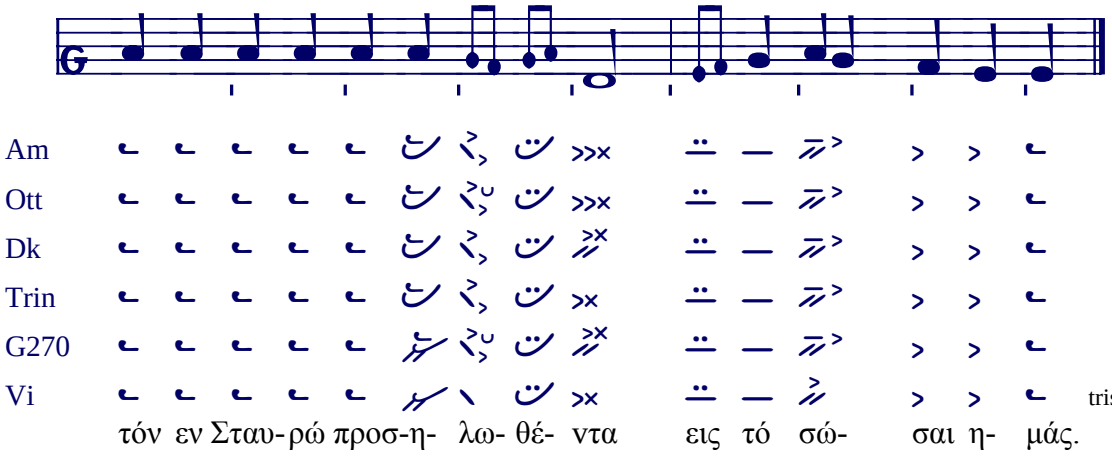
Am
Ott
Dk
Trin
G270
Vi
τόν εν Σταυ-ρώ προσ-η- λω- θέ- ντα εις τό σώ- σαι η- μάς.
trisem Vi 2x

Εις τόν Στίχον, Δόξα... Ήχος πλ. β’ Ιωάννου Μοναχού

Εν τώ Σταυρώ παρεστηκώς, //
καί τά γε- - νόμενα σκοπών,
τόν σταυρωθέντα επί ξύλου Θεόν καί άνθρωπον,
εωρακώς εβόας πρός αύτόν

Εν τή βασιλεία // σου μνήσθητί μου Κύριε.

Διό καί ο Σωτήρ εφώνει σοι,
Μακάριος ει Λογγίνε /
καί τό μνημόσυνόν σου εις γενεάν καί γενεάν.

E3			
E3			
Gh		G3/J -a	
			E3
	D2	//	**E3**
		G3	
E2			
	a		**E3**

На стїхо́внѣ Сла́ва мч҃ника, гла́съ є҃. Ї҆ѡа́нна мона́ха:

При кр҃тѣ предстоѧ̀,
и҆ бы́ваю́щаѧ смотрѧ́ѧ,
распина́ема на дре́вѣ бг҃а и҆ чл҃вѣ́ка
ви́дѣвъ, вопїѧ́лъ є҆сѝ къ немꙋ̀:
во цр҃твїи твое́мъ помѧни́ мѧ, гдⷭ҇и.
тѣ́мъ и҆ сп҃съ приглаша́ше тебѣ̀:
бл҃же́нъ є҆сѝ, ло́ггїне,
и҆ па́мѧть твоѧ̀ въ ро́дъ и҆ ро́дъ.

Εν τώ Σταυρώ παρεστηκώς

+++++ Εν τώ Σταυρώ παρεστηκώς [E/E]

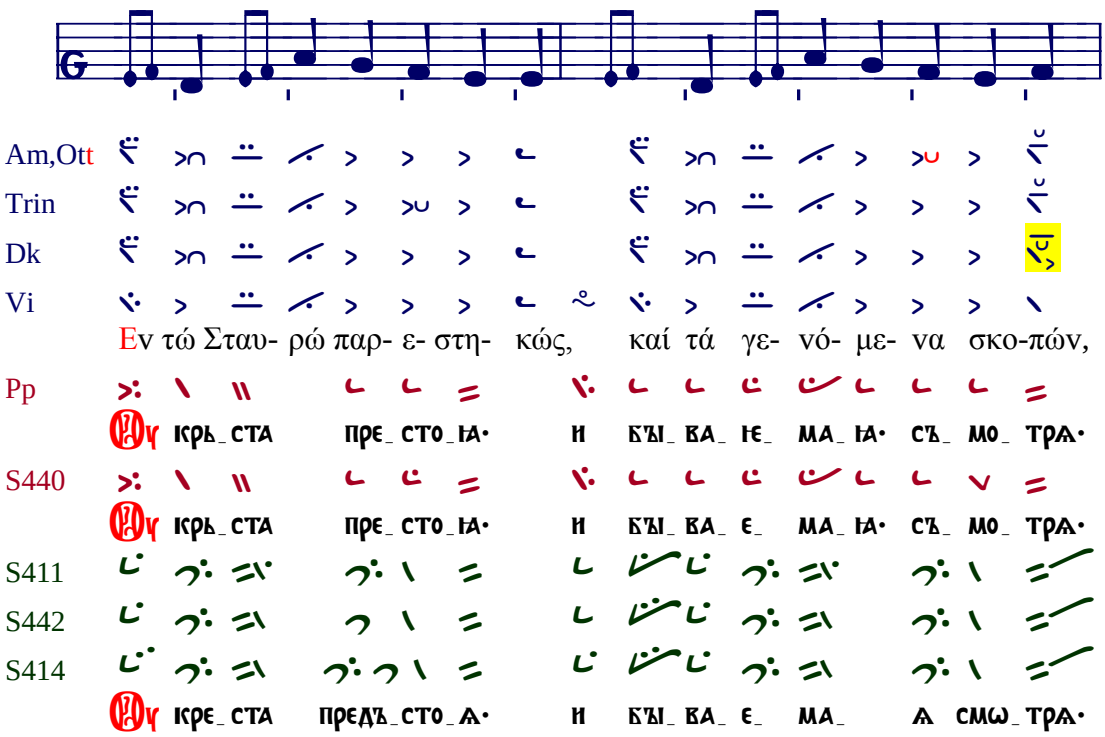

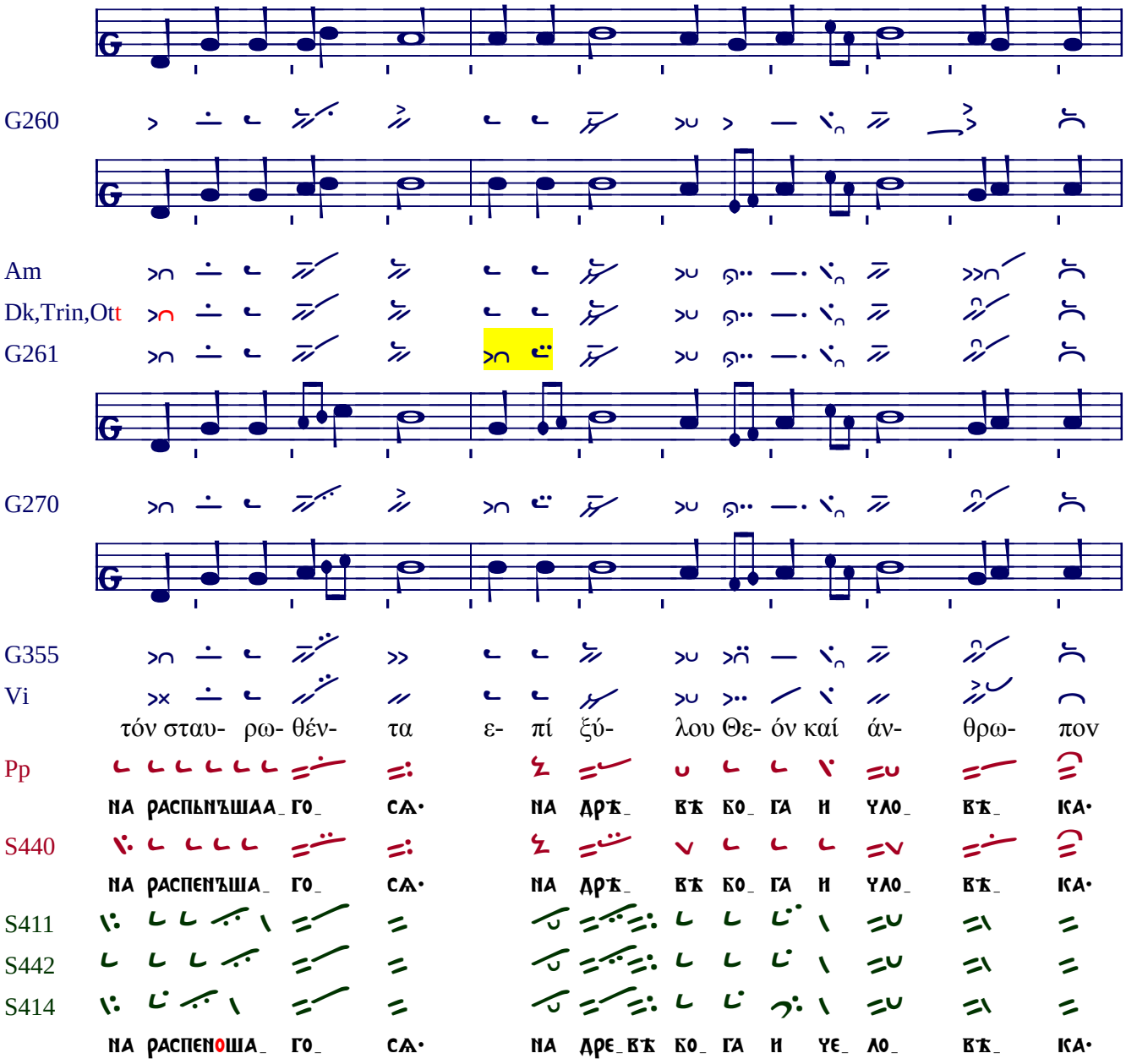
G260
Am
Dk,Trin,Ott
G261
G270
G355
Vi
τόν σταυ- ρω- θέν- τα ε- πί ξύ- λου Θε- όν καί άν- θρω- πον
Pp
NA РАСПЬНЪША_ ГО_ СѦ· NA ДРѢ_ БѢ БО_ ГА И УЛО_ БѢ_ КА·
S440
NA РАСПЕНЪША_ ГО_ СѦ· NA ДРѢ_ БѢ БО_ ГА И УЛО_ БѢ_ КА·
S411
S442
S414
NA РАСПЕНОША_ ГО_ СѦ· NA ДРЕ_БѢ БО_ ГА И УЕ_ ЛО_ БѢ_ КА·

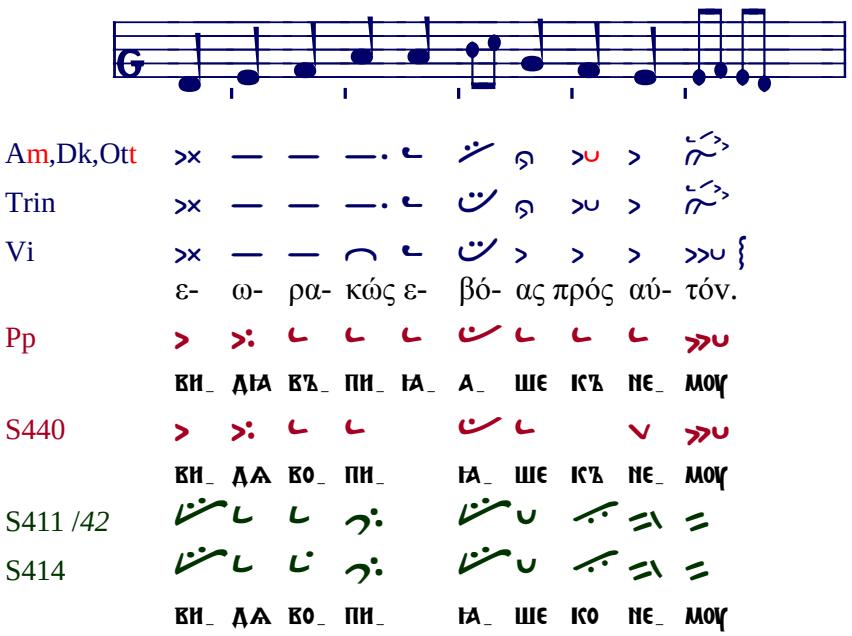
Am,Dk,Ott
Trin
Vi
ε- ω- ρα- κώς ε- βό- ας πρός αύ- τόν.
Pp
ВИ_ ДѢА ВЪ_ ПИ_ ѢА_ А_ ШЕ КЪ НЕ_ МОУ
S440
ВИ_ ДѦ ВО_ ПИ_ ѢА_ ШЕ КЪ НЕ_ МОУ
S411 /42
S414
ВИ_ ДѦ ВО_ ПИ_ ѢА_ ШЕ КО НЕ_ МОУ

G260 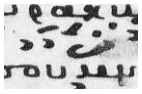

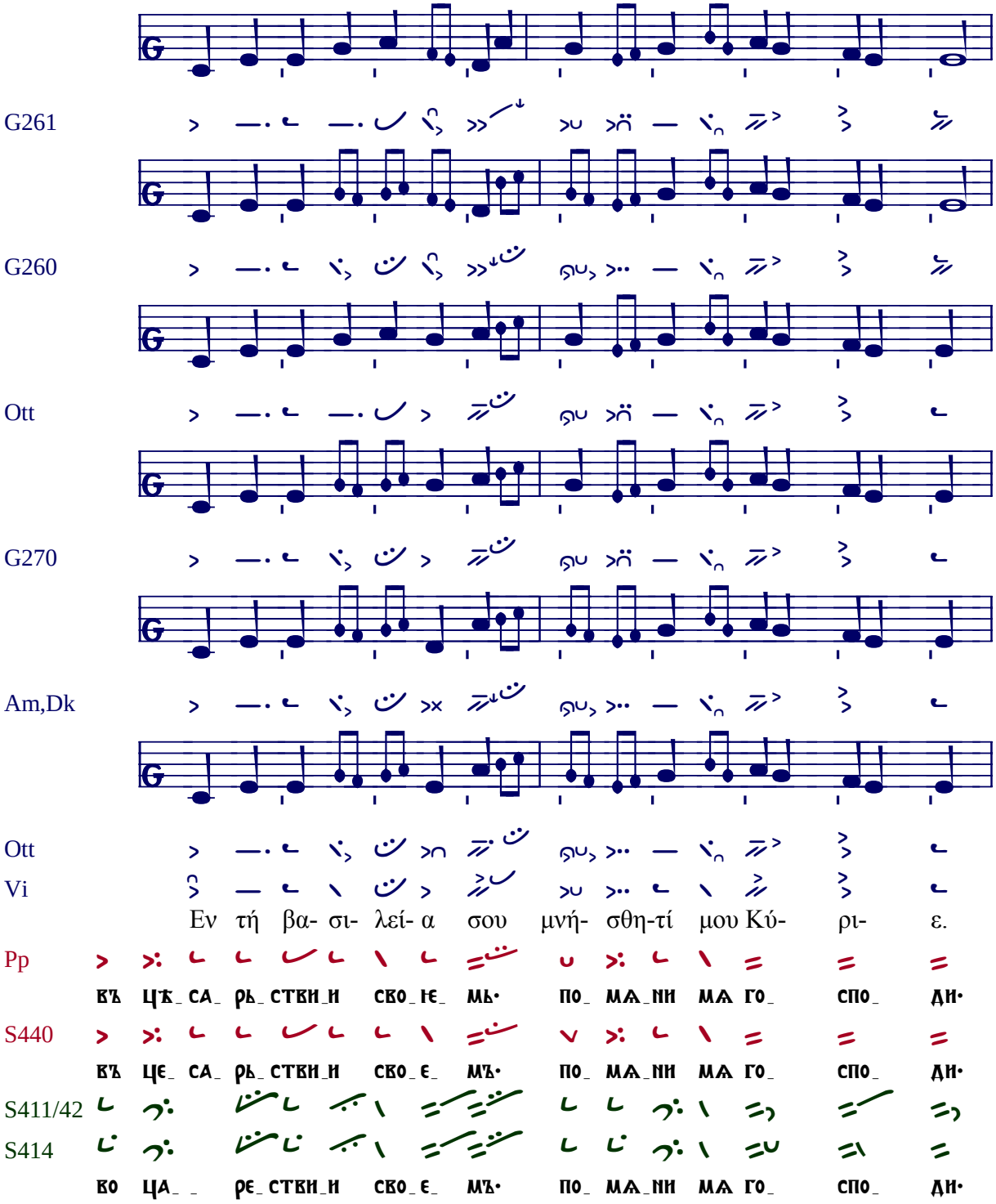
G261
G260
Ott
G270
Am,Dk
Ott
Vi
Εν τή βα- σι- λεί- α σου μνή- σθη-τί μου Κύ- ρι- ε.
Pp
ВЪ ЦѢ_ СА_ РЬ_ СТВИ_И СВО_ІЄ_ МЬ· ПО_ МѦ_НИ МѦ ГО_ СПО_ ДИ·
S440
ВЪ ЦЄ_ СА_ РЬ_ СТВИ_И СВО_Є_ МЪ· ПО_ МѦ_НИ МѦ ГО_ СПО_ ДИ·
S411/42
S414
ВО ЦА_ _ РЄ_ СТВИ_И СВО_Є_ МЪ· ПО_ МѦ_НИ МѦ ГО_ СПО_ ДИ·

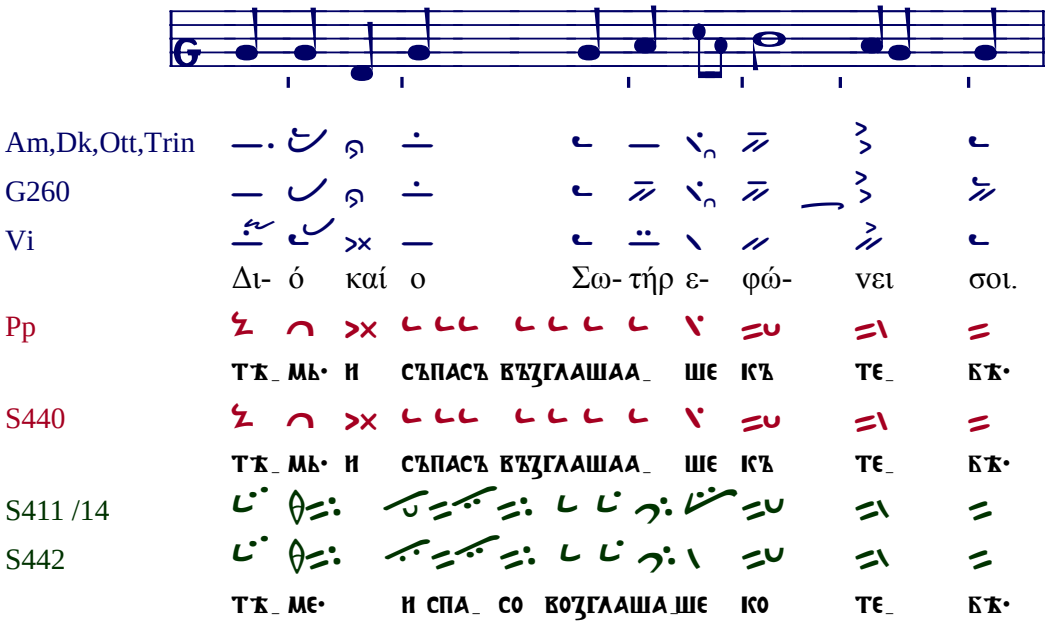
Am,Dk,Ott,Trin
G260
Vi
Δι- ό καί ο Σω- τήρ ε- φώ- νει σοι.
Pp
ТѢ_ МЬ· И СЪПАСЪ ВЪЗГЛАШАА_ ШЕ КЪ ТЕ_ БѢ·
S440
ТѢ_ МЬ· И СЪПАСЪ ВЪЗГЛАШАА_ ШЕ КЪ ТЕ_ БѢ·
S411 /14
S442
ТѢ_ МЕ· И СПА_ СО ВОЗГЛАША_ШЕ КО ТЕ_ БѢ·

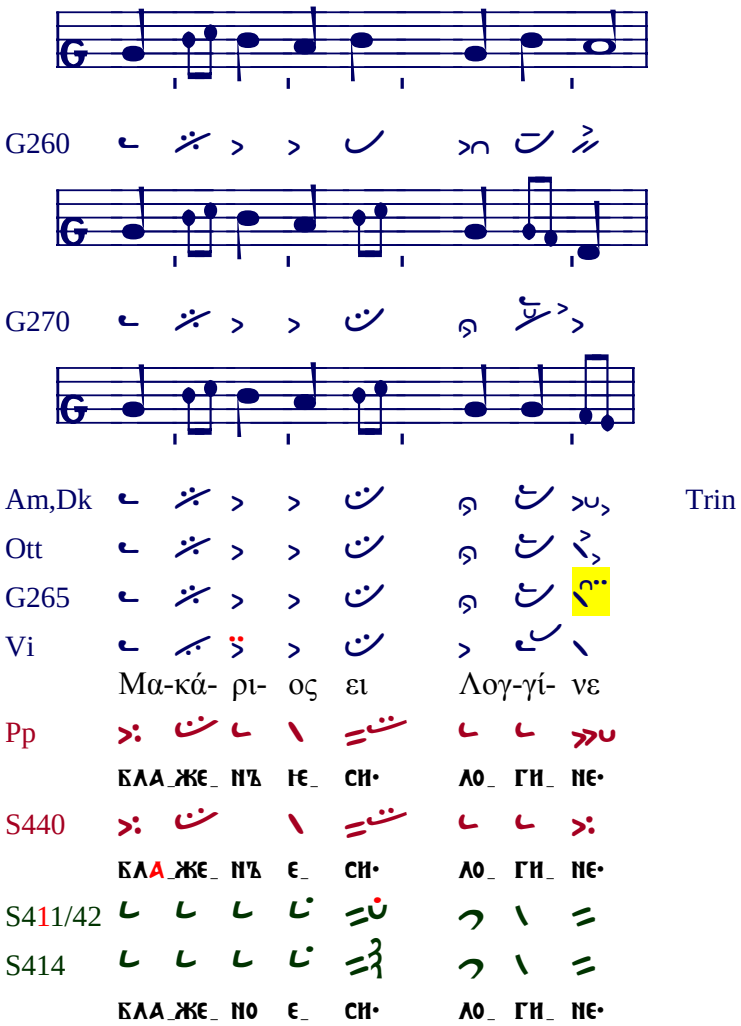
G260
G270
Am,Dk
Trin
Ott
G265
Vi
Μα-κά- ρι- ος ει Λογ-γί- νε
Pp
БЛА_ЖЕ_ NЪ ІЕ_ СИ· ЛО_ ГИ_ NЕ·
S440
БЛА_ЖЕ_ NЪ Е_ СИ· ЛО_ ГИ_ NЕ·
S411/42
S414
БЛА_ЖЕ_ NО Е_ СИ· ЛО_ ГИ_ NЕ·

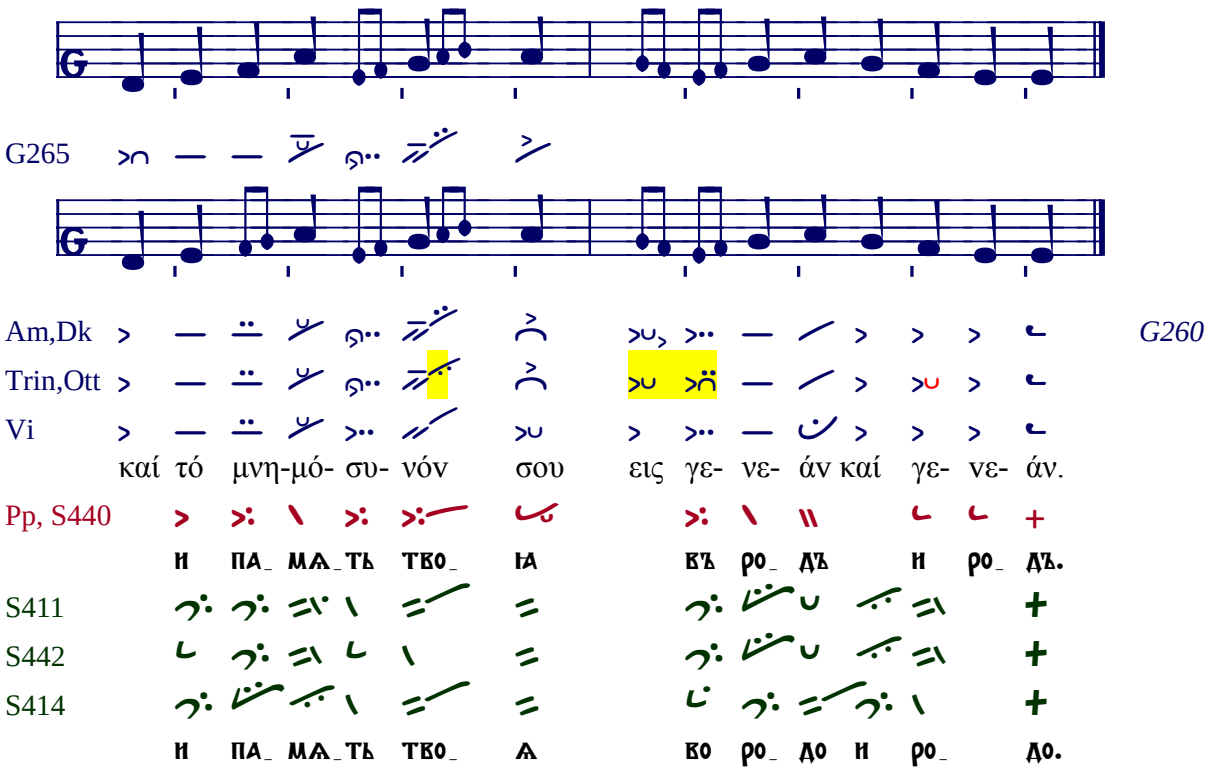
G265
Am,Dk
Trin,Ott
Vi
G260
καί τό μνη-μό- συ- νόν σου εις γε- νε- άν καί γε- νε- άν.
Pp, S440
И ПА_ МѦ_ТЬ ТВО_ ЮА БЪ РО_ ДЪ И РО_ ДЪ.
S411
S442
S414
И ПА_ МѦ_ТЬ ТВО_ Ѧ БО РО_ ДО И РО_ ДО.